kredoz

UP SUPER TET 2026 • भाग 1

# SUPER TET

सहायक अध्यापक (प्राथमिक स्तर, कक्षा 1–5) •
उ.प्र. शिक्षा सेवा चयन आयोग

## बाल मनोविज्ञान, शिक्षण कौशल एवं जीवन कौशल

अध्याय 8

# अधिगम कठिनाइयों, क्षति आदि से ग्रस्त बच्चों की आवश्यकताओं की पहचान

📘 विस्तृत नोट्स

📊 तालिकाएँ

💡 ट्रिक्स

📝 अभ्यास प्रश्न

कोर्स / टेस्ट सीरीज़ / जानकारी के लिए
📞 9582225699

Kredoz IAS
kredoz.in • courses.kredoz.in

# विषय-सूची


| क्र. | अनुभाग |
|---|---|
| 1 | विशेष आवश्यकता वाले बच्चे : परिचय एवं शब्दावली |
| 2 | विकलांगता से संबंधित कानून एवं नीतियाँ (RPwD 2016) |
| 3 | अधिगम अक्षमता (Learning Disability) |
| 4 | ADHD एवं ऑटिज़्म स्पेक्ट्रम विकार |
| 5 | बौद्धिक अक्षमता एवं मंद अधिगमकर्ता |
| 6 | दृष्टि बाधिता |
| 7 | श्रवण बाधिता |
| 8 | शारीरिक / गामक अक्षमता एवं वाणी-भाषा विकार |
| 9 | पहचान की प्रक्रिया एवं IEP |
| 10 | शिक्षक की भूमिका एवं सहायक उपकरण |
| 11 | परीक्षा उपयोगी तथ्य एवं अभ्यास प्रश्न |


## 1 विशेष आवश्यकता वाले बच्चे : परिचय

**विशेष आवश्यकता वाले बच्चे (Children With Special Needs — CWSN)** वे बच्चे हैं जिन्हें किसी **शारीरिक, संवेदी, बौद्धिक, संवेगात्मक या अधिगम संबंधी** कठिनाई के कारण सामान्य शिक्षण के साथ **अतिरिक्त सहायता, अनुकूलन या विशेष सेवाओं** की आवश्यकता होती है। शिक्षक का पहला कार्य इनकी **शीघ्र पहचान** करना है।

### ◆ क्षति, अक्षमता एवं विकलांगता (WHO — ICIDH, 1980)

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| **क्षति (Impairment)** | ➜ | **अक्षमता (Disability)** | ➜ | **विकलांगता / बाधिता (Handicap)** |

| शब्द | अर्थ | स्तर | उदाहरण |
|---|---|---|---|
| **क्षति / क्षत (Impairment)** | शरीर के किसी अंग या उसकी कार्यप्रणाली में **हानि या असामान्यता** | अंग / शारीरिक स्तर | आँख की रेटिना को नुकसान |
| **अक्षमता (Disability)** | क्षति के कारण किसी **कार्य को सामान्य ढंग से करने की क्षमता में कमी** | व्यक्ति / कार्य स्तर | पढ़ न पाना |
| **विकलांगता / बाधिता (Handicap)** | अक्षमता के कारण **सामाजिक भूमिका निभाने में आने वाली बाधा / नुकसान** | सामाजिक स्तर | पुस्तक उपलब्ध न होने से विद्यालय में पिछड़ना |

**मुख्य संदेश:** हर क्षति विकलांगता नहीं बनती — **उचित सहायता और सुलभ वातावरण** (ब्रेल पुस्तक, रैम्प, श्रवण यंत्र) से **बाधा (Handicap) दूर** की जा सकती है। यही **सामाजिक मॉडल** का विचार है।

### ◆ चिकित्सा मॉडल बनाम सामाजिक मॉडल

| आधार | चिकित्सा मॉडल (Medical Model) | सामाजिक मॉडल (Social Model) |
|---|---|---|
| **समस्या कहाँ** | व्यक्ति में — "उसमें कमी है" | समाज व वातावरण की बाधाओं में |
| **समाधान** | इलाज, सुधार, अलग व्यवस्था | बाधाएँ हटाना, सुलभता, समावेशन |
| **दृष्टि** | दया और देखभाल | अधिकार और समान अवसर |

### ◆ विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के प्रमुख वर्ग

| वर्ग | शामिल |
|---|---|
| **संवेदी क्षत** | दृष्टि बाधिता, श्रवण बाधिता, बधिर-अंधता |
| **शारीरिक / गामक क्षत** | अस्थि-बाधिता, प्रमस्तिष्क पक्षाघात, मांसपेशीय दुर्विकास, बौनापन |
| **बौद्धिक एवं विकासात्मक** | बौद्धिक अक्षमता, ऑटिज़्म, विशिष्ट अधिगम अक्षमता |
| **व्यवहारात्मक / संवेगात्मक** | ADHD, संवेगात्मक विकार, आचरण समस्याएँ |
| **वाणी एवं भाषा** | हकलाना, तुतलाना, वाचाघात |
| **अन्य** | मंद अधिगमकर्ता, बहु-अक्षमता, दीर्घकालिक रोग (थैलेसीमिया, हीमोफ़ीलिया) |
| **प्रतिभाशाली / सृजनात्मक** | (अध्याय 9 में) |

## 2 विकलांगता से संबंधित कानून एवं नीतियाँ

| वर्ष | कानून / नीति | मुख्य प्रावधान |
|---|---|---|
| **1974** | IEDC (विकलांग बच्चों की एकीकृत शिक्षा योजना) | विकलांग बच्चों को सामान्य विद्यालयों में शिक्षा |
| **1986** | राष्ट्रीय शिक्षा नीति | विकलांग बच्चों को सामान्य समुदाय के साथ बराबरी पर लाना |
| **1987** | PIED (विकलांगों के लिए एकीकृत शिक्षा परियोजना) | UNICEF के सहयोग से |
| **1992** | **भारतीय पुनर्वास परिषद (RCI) अधिनियम** | विशेष शिक्षकों व पुनर्वास पेशेवरों का प्रशिक्षण व पंजीकरण |
| **1994** | **सलामांका घोषणा (स्पेन, UNESCO)** | **समावेशी शिक्षा** का अंतरराष्ट्रीय आधार |

| वर्ष | कानून / नीति | मुख्य प्रावधान |
|---|---|---|
| **1995** | **विकलांग व्यक्ति (PWD) अधिनियम** | **7 विकलांगताएँ**; 18 वर्ष तक निःशुल्क शिक्षा; 3% आरक्षण |
| **1999** | **राष्ट्रीय न्यास (National Trust) अधिनियम** | ऑटिज़्म, प्रमस्तिष्क पक्षाघात, मानसिक मंदता, बहु-विकलांगता वाले व्यक्तियों का कल्याण |
| **2006** | **UNCRPD** (संयुक्त राष्ट्र विकलांग व्यक्तियों के अधिकार अभिसमय) | भारत ने **2007** में अनुमोदन किया |
| **2009** | **RTE अधिनियम** (2012 संशोधन) | विकलांग बच्चे "वंचित समूह" में शामिल; निःशुल्क व अनिवार्य शिक्षा |
| **2009** | IEDSS | माध्यमिक स्तर पर समावेशी शिक्षा |
| **2015** | **सुगम्य भारत अभियान** | भवन, परिवहन, ICT को सुलभ बनाना |
| **2016** | **दिव्यांगजन अधिकार (RPwD) अधिनियम** | **21 विकलांगताएँ**; नीचे विवरण |
| **2018** | **समग्र शिक्षा अभियान** | SSA + RMSA + शिक्षक शिक्षा — समावेशी शिक्षा घटक सहित |
| **2020** | **NEP 2020** | समान एवं समावेशी शिक्षा; दिव्यांग बच्चों के लिए संसाधन केंद्र, सहायक उपकरण, भारतीय सांकेतिक भाषा का मानकीकरण |

### ◆ दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम (RPwD Act) 2016 — मुख्य बिंदु

- PWD अधिनियम 1995 का स्थान लिया; **27 दिसंबर 2016** को पारित, **19 अप्रैल 2017** से लागू।
- विकलांगताओं की संख्या **7 से बढ़ाकर 21**।
- **बेंचमार्क विकलांगता** — **40% या उससे अधिक** विकलांगता।
- बेंचमार्क विकलांगता वाले **6 से 18 वर्ष** के बच्चों को **निःशुल्क शिक्षा** का अधिकार।
- सरकारी नौकरियों में **4% आरक्षण** (पहले 3%); उच्च शिक्षा संस्थानों में **कम से कम 5% सीटें**।
- **समावेशी शिक्षा** का प्रावधान; भेदभाव पर दंड।
- विशिष्ट विकलांगता पहचान पत्र — **UDID कार्ड**।

| PWD अधिनियम 1995 की 7 विकलांगताएँ |
|---|
| अंधता, कम दृष्टि, कुष्ठ रोग उपचारित, श्रवण हानि, चलन-क्रिया विकलांगता, मानसिक मंदता, मानसिक रुग्णता |

| RPwD 2016 की 21 विकलांगताएँ (वर्गानुसार) | |
|---|---|
| **शारीरिक — चलन (Locomotor)** | चलन विकलांगता, कुष्ठ रोग उपचारित, प्रमस्तिष्क पक्षाघात, बौनापन, मांसपेशीय दुर्विकास, तेज़ाब हमला पीड़ित |
| **दृष्टि** | अंधता, निम्न दृष्टि |
| **श्रवण** | बधिर, ऊँचा सुनना (श्रवण बाधित) |

| RPwD 2016 की 21 विकलांगताएँ (वर्गानुसार) | |
|---|---|
| **वाणी एवं भाषा** | वाणी एवं भाषा विकलांगता |
| **बौद्धिक** | बौद्धिक अक्षमता, **विशिष्ट अधिगम अक्षमता**, **ऑटिज़्म स्पेक्ट्रम विकार** |
| **मानसिक व्यवहार** | मानसिक बीमारी |
| **दीर्घकालिक तंत्रिका स्थितियाँ** | मल्टिपल स्क्लेरोसिस, पार्किंसन रोग |
| **रक्त विकार** | हीमोफ़ीलिया, थैलेसीमिया, सिकल सेल रोग |
| **बहु-विकलांगता** | बधिर-अंधता सहित एक से अधिक विकलांगताएँ |

**ट्रिक: 1995 = 7, 2016 = 21**; **बेंचमार्क = 40%**; **नौकरी 4%, उच्च शिक्षा 5%**; **निःशुल्क शिक्षा 6–18 वर्ष**।

## 3 अधिगम अक्षमता (Learning Disability)

**विशिष्ट अधिगम अक्षमता (Specific Learning Disability — SLD)** वह स्थिति है जिसमें बच्चे की **बुद्धि सामान्य या सामान्य से अधिक** होने पर भी उसे **पढ़ने, लिखने, वर्तनी, गणना या भाषा** जैसे किसी विशेष क्षेत्र में **लगातार कठिनाई** होती है। इसका कारण **मस्तिष्क की सूचना-प्रक्रमण प्रणाली** में अंतर माना जाता है — **आलस्य, कम बुद्धि या खराब शिक्षण नहीं**।

- "अधिगम अक्षमता" शब्द सबसे पहले **सैमुअल किर्क (1963)** ने प्रयोग किया।
- मुख्य पहचान: **क्षमता (बुद्धि) और उपलब्धि में बड़ा अंतर (Discrepancy)**।
- यह **जीवनभर** रह सकती है, पर उचित सहायता से बच्चा सफल हो सकता है।
- SLD **दृष्टि, श्रवण, बौद्धिक अक्षमता, संवेगात्मक विकार या वातावरणीय वंचना** के कारण नहीं होती।

### ◆ अधिगम अक्षमता के प्रकार

| प्रकार | किसमें कठिनाई | पहचान के लक्षण |
|---|---|---|
| **डिस्लेक्सिया (Dyslexia) — पठन वैकल्य** | **पढ़ना**, अक्षर-ध्वनि संबंध, वर्तनी | b-d, p-q, 6-9 में उलझन; अक्षर / शब्द उल्टे पढ़ना (was-saw); धीमा व अटकता पठन; पंक्ति छोड़ना; पढ़ा हुआ न समझना |
| **डिस्ग्राफ़िया (Dysgraphia) — लेखन वैकल्य** | **लिखना**, सुलेख | अस्पष्ट लिखावट; अक्षरों का असमान आकार; शब्दों के बीच अनुचित दूरी; पेंसिल ठीक से न पकड़ना; धीमा लेखन; दर्पण लेखन |
| **डिस्कैल्कुलिया (Dyscalculia) — गणितीय वैकल्य** | **गणना**, संख्या अवधारणा | संख्याओं का क्रम, स्थानीय मान, गणितीय चिह्न (+, ×) में उलझन; पहाड़े याद न होना; समय व पैसे की गणना में कठिनाई |

| प्रकार | किसमें कठिनाई | पहचान के लक्षण |
|---|---|---|
| **डिस्प्रैक्सिया (Dyspraxia) — गामक समन्वय** | **शारीरिक गतियों का समन्वय** | बटन लगाना, जूते बाँधना, कैंची चलाना, गेंद पकड़ना कठिन; बार-बार टकराना / गिरना |
| **डिस्फ़ेसिया / अफ़ेसिया (Dysphasia / Aphasia) — वाचाघात** | **भाषा समझना या बोलना** | सही शब्द न मिलना; वाक्य बनाने में कठिनाई |
| **डिस्नोमिया (Dysnomia)** | **नाम / शब्द याद करना** | वस्तु का नाम याद न आना |
| **श्रवण प्रक्रमण विकार (APD)** | सुनी हुई ध्वनि को समझना | मिलती-जुलती ध्वनियों (कल-खल) में अंतर न कर पाना; शोर में निर्देश न समझना |
| **दृश्य प्रक्रमण विकार** | देखी गई सूचना को समझना | आकृतियों, मानचित्र, चार्ट में उलझन |

**ट्रिक: Dys** = कठिनाई; **lexia** = शब्द / पढ़ना; **graphia** = लिखना; **calculia** = गणना; **praxia** = क्रिया / गति; **phasia** = वाणी।

### ◆ अधिगम अक्षमता वाले बच्चों के लिए शिक्षण रणनीतियाँ

| अक्षमता | शिक्षण रणनीति |
|---|---|
| **डिस्लेक्सिया** | **बहु-संवेदी शिक्षण (VAKT)** — देखना, सुनना, छूना, गति; ध्वनि-आधारित (Phonics) शिक्षण; बड़े अक्षर; ऑडियो पुस्तकें; पढ़ने का अधिक समय; रेत / मिट्टी पर अक्षर बनाना |
| **डिस्ग्राफ़िया** | रेखांकित / ग्रिड वाली कॉपी; मोटी पेंसिल व ग्रिप; मौखिक उत्तर का विकल्प; कंप्यूटर / टाइपिंग; लिखने के लिए अधिक समय |
| **डिस्कैल्कुलिया** | मूर्त सामग्री — मोती, गिनतारा (Abacus), डिनीज़ ब्लॉक; संख्या रेखा; चित्र व दैनिक जीवन के उदाहरण; कैलकुलेटर की अनुमति |
| **डिस्प्रैक्सिया** | गामक अभ्यास, व्यावसायिक चिकित्सा (Occupational therapy), कार्य को छोटे चरणों में |
| **सभी के लिए** | धैर्य, सकारात्मक प्रोत्साहन, व्यक्तिगत शिक्षा योजना (IEP), सहपाठी सहायता, सरल व स्पष्ट निर्देश, दोहराव, परीक्षा में अतिरिक्त समय / लेखक (Scribe) |

**फिल्म उदाहरण:** फिल्म **"तारे ज़मीन पर" (2007)** में ईशान अवस्थी **डिस्लेक्सिया** से ग्रस्त था; शिक्षक **राम शंकर निकुंभ** ने बहु-संवेदी व रचनात्मक विधियों से उसकी सहायता की।

## 4 ADHD एवं ऑटिज़्म स्पेक्ट्रम विकार

### ◆ (क) ध्यान-अभाव अति-सक्रियता विकार (ADHD)

**ADHD (Attention Deficit Hyperactivity Disorder)** एक **तंत्रिका-विकासात्मक विकार** है, जिसके तीन मुख्य लक्षण हैं – **ध्यान की कमी, अति-सक्रियता और आवेगशीलता**।

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| **ध्यान की कमी (Inattention)** | ➜ | **अति-सक्रियता (Hyperactivity)** | ➜ | **आवेगशीलता (Impulsivity)** |

| लक्षण | कक्षा में दिखने वाला व्यवहार |
|---|---|
| **ध्यान की कमी** | निर्देश पूरे न सुनना; लापरवाही की गलतियाँ; कार्य अधूरा छोड़ना; सामान खो देना; जल्दी ध्यान भटकना |
| **अति-सक्रियता** | सीट पर टिककर न बैठना; लगातार हिलना-डुलना; अधिक बोलना; अनुचित समय पर दौड़ना-चढ़ना |
| **आवेगशीलता** | प्रश्न पूरा होने से पहले उत्तर देना; अपनी बारी का इंतज़ार न करना; दूसरों की बात में बाधा डालना |

| ADHD के लिए शिक्षण रणनीतियाँ |
|---|
| बच्चे को **आगे की सीट**, शिक्षक के पास और ध्यान भटकाने वाली चीज़ों (खिड़की, दरवाज़ा) से दूर बिठाएँ। |
| कार्य को **छोटे-छोटे भागों** में बाँटें; **बीच-बीच में विराम** और शारीरिक गतिविधि (बोर्ड साफ़ करना, कॉपियाँ बाँटना)। |
| **स्पष्ट, संक्षिप्त निर्देश**; दृश्य समय-सारणी; नियमित दिनचर्या। |
| **सकारात्मक पुनर्बलन** – अच्छे व्यवहार की तुरंत प्रशंसा; टोकन व्यवस्था। |
| सक्रिय, गतिविधि-आधारित और रोचक शिक्षण। |

### ◆ (ख) ऑटिज़्म स्पेक्ट्रम विकार (ASD)

**ऑटिज़्म** एक **तंत्रिका-विकासात्मक विकार** है, जो मुख्यतः **सामाजिक संप्रेषण और अंतःक्रिया** तथा **सीमित व दोहराव वाले व्यवहार** को प्रभावित करता है। इसे **"स्पेक्ट्रम"** इसलिए कहते हैं क्योंकि इसकी **तीव्रता और लक्षण हर बच्चे में अलग** होते हैं।

- "ऑटिज़्म" शब्द का प्रयोग **लियो कैनर (1943)** ने बाल्यावस्था के विकार के रूप में किया; **हैंस एस्पर्जर (1944)** ने एस्पर्जर सिंड्रोम बताया।
- **विश्व ऑटिज़्म जागरूकता दिवस – 2 अप्रैल**।
- लक्षण प्रायः **3 वर्ष की आयु से पहले** दिखने लगते हैं।

| क्षेत्र | लक्षण |
|---|---|
| **सामाजिक अंतःक्रिया** | आँख से आँख न मिलाना; नाम पुकारने पर प्रतिक्रिया न देना; अकेले खेलना; दूसरों की भावनाएँ समझने में कठिनाई |
| **संप्रेषण** | बोलने में देरी; शब्दों / वाक्यों को दोहराना (**इकोलालिया**); मुहावरे / व्यंग्य न समझना |
| **दोहराव वाला व्यवहार** | हाथ फड़फड़ाना, झूलना, गोल घूमना; वस्तुओं को एक पंक्ति में लगाना; दिनचर्या में बदलाव से परेशान होना |

| क्षेत्र | लक्षण |
|---|---|
| **संवेदी संवेदनशीलता** | तेज़ आवाज़, प्रकाश, स्पर्श के प्रति अति या कम संवेदनशीलता |

| ऑटिज़्म के लिए शिक्षण रणनीतियाँ |
|---|
| **निश्चित दिनचर्या** और **दृश्य समय-सारणी** (चित्र-काड); बदलाव की पहले से सूचना। |
| **दृश्य सहायक सामग्री** — चित्र, प्रतीक, **PECS (चित्र विनिमय संप्रेषण प्रणाली)**। |
| **सरल, सीधी और ठोस भाषा**; एक समय में एक निर्देश। |
| **शांत, कम शोर वाला** कोना; संवेदी विराम। |
| **सामाजिक कहानियाँ (Social Stories)** और भूमिका-अभिनय से सामाजिक कौशल। |
| बच्चे की **विशेष रुचि** को सीखने का माध्यम बनाना। |

## 5 बौद्धिक अक्षमता एवं मंद अधिगमकर्ता

### ◆ (क) बौद्धिक अक्षमता (Intellectual Disability)

**बौद्धिक अक्षमता** वह स्थिति है जिसमें **बौद्धिक कार्य-क्षमता (तर्क, समस्या समाधान, सीखना)** और **अनुकूलक व्यवहार (दैनिक जीवन, सामाजिक कौशल)** दोनों में महत्वपूर्ण कमी होती है और यह **18 वर्ष की आयु से पहले** प्रकट होती है। पहले इसे **"मानसिक मंदता"** कहा जाता था।

| स्तर | IQ (लगभग) | पुराना नाम | शैक्षिक वर्ग | विशेषता |
|---|---|---|---|---|
| **हल्की (Mild)** | 50/55 – 70 | मूढ़ (Moron) | शिक्षणीय (Educable) | कक्षा 5–6 तक पढ़ाई संभव; सहायता से स्वतंत्र जीवन |
| **मध्यम (Moderate)** | 35/40 – 50/55 | हीन (Imbecile) | प्रशिक्षणीय (Trainable) | स्व-देखभाल व सरल कार्य-कौशल |
| **गंभीर (Severe)** | 20/25 – 35/40 | जड़ (Idiot) | अभिरक्षणीय (Custodial) | निरंतर देखरेख |
| **अति गंभीर (Profound)** | 20/25 से कम | जड़ (Idiot) | अभिरक्षणीय | पूर्ण देखभाल |

| प्रमुख कारण |
|---|
| **आनुवंशिक / गुणसूत्रीय** — **डाउन सिंड्रोम** (21वें गुणसूत्र की तीन प्रतियाँ — Trisomy 21), फ्रैजाइल-X सिंड्रोम, **फ़िनाइलकीटोन्यूरिया (PKU)** |
| **गर्भकालीन** — माता का कुपोषण, शराब, धूम्रपान, **रूबेला** जैसे संक्रमण, दवाइयाँ, विकिरण |

| प्रमुख कारण |
|---|
| **जन्म के समय** – ऑक्सीजन की कमी, समय से पहले जन्म, कम जन्म भार, जन्म के समय चोट |
| **जन्म के बाद** – मस्तिष्क ज्वर (मेनिनजाइटिस), सिर की चोट, **आयोडीन की कमी** (क्रेटिनिज़्म), सीसा विषाक्तता, गंभीर कुपोषण |

| शिक्षण रणनीतियाँ |
|---|
| **कार्य-विश्लेषण (Task Analysis)** – कार्य को बहुत छोटे चरणों में बाँटना। |
| **मूर्त सामग्री** और **दैनिक जीवन के कौशल** (पैसा गिनना, समय देखना, स्व-देखभाल)। |
| **बार-बार अभ्यास**, **तत्काल पुनर्बलन** और प्रशंसा। |
| **मॉडलिंग व प्रदर्शन** – करके दिखाना। |
| **कार्यात्मक पाठ्यक्रम** और **व्यावसायिक प्रशिक्षण**। |

### ◆ (ख) मंद अधिगमकर्ता (Slow Learner)

**मंद अधिगमकर्ता** वे बच्चे हैं जिनकी **बुद्धि-लब्धि लगभग 75/80 – 90** होती है। ये **बौद्धिक रूप से अक्षम नहीं** होते, पर **सामान्य गति से धीमे सीखते** हैं और उन्हें अधिक समय व अभ्यास की आवश्यकता होती है।

| आधार | मंद अधिगमकर्ता | अधिगम अक्षमता | बौद्धिक अक्षमता |
|---|---|---|---|
| **बुद्धि** | सामान्य से कुछ कम (लगभग 75–90) | सामान्य या अधिक | 70 से कम |
| **कठिनाई** | सभी विषयों में धीमी गति | किसी विशेष क्षेत्र में (पढ़ना, लिखना, गणित) | सभी क्षेत्रों व दैनिक जीवन में |
| **कारण** | सीमित क्षमता, वातावरण | तंत्रिका प्रक्रमण में अंतर | आनुवंशिक / जैविक कारण |
| **सहायता** | अधिक समय, अभ्यास, उपचारात्मक शिक्षण | विशिष्ट रणनीतियाँ, IEP | विशेष शिक्षा, कार्यात्मक कौशल |

**मंद अधिगमकर्ता के कारण:** निम्न बुद्धि, **कुपोषण और अस्वस्थता**, **गरीबी व वंचित वातावरण**, बार-बार **अनुपस्थिति**, पारिवारिक कलह, **शिक्षण विधि का दोष**, प्रेरणा की कमी, संवेदी दोष का पता न चलना।

# 6 दृष्टि बाधिता (Visual Impairment)

| प्रकार | अर्थ (RPwD 2016 के अनुसार, संक्षेप में) |
|---|---|
| **अंधता (Blindness)** | पूर्ण दृष्टिहीनता, या **बेहतर आँख में सर्वोत्तम सुधार के बाद दृष्टि-तीक्ष्णता 3/60 से कम**, या दृष्टि-क्षेत्र **10° से कम** |
| **निम्न दृष्टि (Low Vision)** | बेहतर आँख में सुधार के बाद दृष्टि-तीक्ष्णता **6/18 से कम पर 3/60 से अधिक**, या दृष्टि-क्षेत्र 10°–40° |

| पहचान के लक्षण (कक्षा में) |
|---|
| बार-बार **आँखें मलना, सिकोड़ना, झपकाना**; आँखें लाल या पानी आना |
| पुस्तक को **बहुत पास या दूर** रखना; सिर को एक ओर झुकाकर पढ़ना |
| **श्यामपट्ट से नकल करने में गलती**; पंक्तियाँ छोड़ना |
| **सिरदर्द**, चक्कर की शिकायत; चीज़ों से टकराना |
| रोशनी के प्रति अति संवेदनशीलता; रंग पहचानने में कठिनाई |

**जाँच उपकरण: स्नेलन चार्ट (Snellen Chart)** — दूर की दृष्टि की जाँच (6 मीटर / 20 फुट से); **ईशिहारा चार्ट** — वर्णांधता की जाँच।

## ◆ ब्रेल लिपि

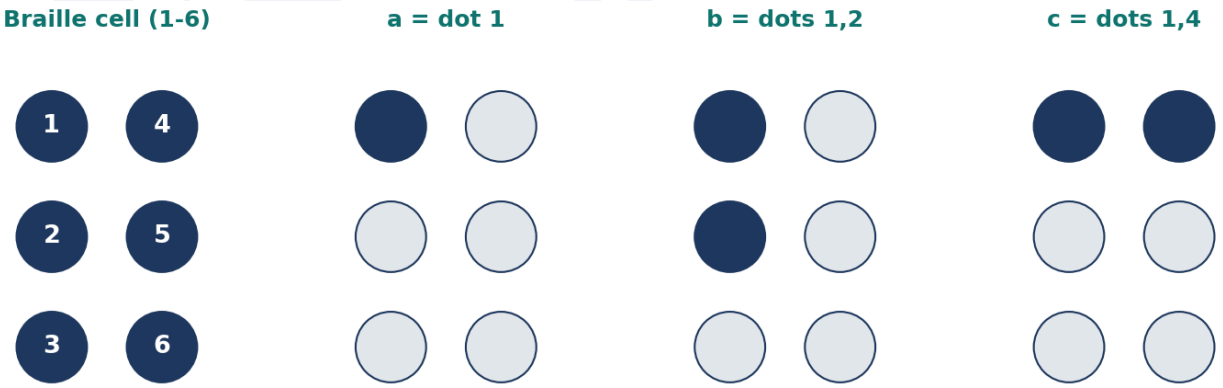


*चित्र : ब्रेल सेल — 6 उभरे बिंदु (2 स्तंभ × 3 पंक्तियाँ); a = 1, b = 1+2, c = 1+4*

- **ब्रेल लिपि** के आविष्कारक — **लुई ब्रेल (फ्रांस, 1824)**; वे स्वयं 3 वर्ष की आयु में दुर्घटना से दृष्टिहीन हुए।
- ब्रेल **6 उभरे बिंदुओं** पर आधारित **स्पर्श लिपि** है — कुल **63 संयोजन** संभव।
- भारत में **"भारती ब्रेल"** प्रयुक्त होती है।
- **विश्व ब्रेल दिवस — 4 जनवरी** (लुई ब्रेल का जन्मदिवस)।

| दृष्टि बाधित बच्चों के लिए शिक्षण रणनीतियाँ व सहायक उपकरण |
|---|
| **ब्रेल पुस्तकें**, **ब्रेल स्लेट व स्टाइलस**, **ब्रेलर (Perkins Brailler)** |
| **टेलर फ्रेम** और **गिनतारा (Abacus)** — गणित के लिए |
| **ऑडियो पुस्तकें**, **स्क्रीन रीडर** (JAWS, NVDA), **बात करने वाला कैलकुलेटर** |
| निम्न दृष्टि के लिए **बड़े अक्षरों वाली पुस्तकें**, **आवर्धक लेंस**, अच्छा प्रकाश, गहरे रंग की मोटी रेखाओं वाली कॉपी |
| **उभरे हुए मानचित्र व मॉडल** — स्पर्श द्वारा सीखना |
| **सफ़ेद छड़ी**, दिशा ज्ञान एवं गतिशीलता (Orientation & Mobility) प्रशिक्षण |
| बच्चे को **आगे की सीट**; श्यामपट्ट पर लिखते समय **ज़ोर से बोलना**; वस्तुओं का स्थान न बदलना |

## 7 श्रवण बाधिता (Hearing Impairment)

**श्रवण बाधिता** में बच्चे की **सुनने की क्षमता आंशिक या पूर्ण रूप से कम** हो जाती है। श्रवण हानि को **डेसिबल (dB)** में मापा जाता है और जाँच **ऑडियोमीटर** से की जाती है।

| प्रकार (RPwD 2016) | अर्थ |
|---|---|
| **बधिर (Deaf)** | दोनों कानों में वाक् आवृत्तियों पर **70 dB या अधिक** श्रवण हानि |
| **ऊँचा सुनना (Hard of Hearing)** | दोनों कानों में वाक् आवृत्तियों पर **60 से 70 dB** श्रवण हानि |

| श्रवण हानि का स्तर (सामान्य वर्गीकरण) | dB (लगभग) | प्रभाव |
|---|---|---|
| सामान्य | 0 – 25 | — |
| हल्की (Mild) | 26 – 40 | धीमी आवाज़ / फुसफुसाहट सुनने में कठिनाई |
| मध्यम (Moderate) | 41 – 55 / 70 | सामान्य बातचीत में कठिनाई |
| गंभीर (Severe) | 71 – 90 | केवल तेज़ आवाज़ सुनाई देती है |
| अति गंभीर (Profound) | 90 से अधिक | लगभग कुछ भी नहीं सुनना |

| पहचान के लक्षण (कक्षा में) |
|---|
| नाम पुकारने पर **प्रतिक्रिया न देना** या देर से देना; बार-बार **"क्या?"** पूछना |
| बोलते समय **वक्ता के होंठों / चेहरे को ध्यान से देखना** |
| **सिर एक ओर मोड़कर** सुनना; एक कान आगे करना |
| **उच्चारण दोष**, बहुत तेज़ या बहुत धीमा बोलना; भाषा विकास में देरी |

| पहचान के लक्षण (कक्षा में) |
|---|
| कान से **स्राव**, दर्द की शिकायत; निर्देशों का गलत पालन |

| श्रवण बाधित बच्चों के लिए शिक्षण रणनीतियाँ व सहायक उपकरण |
|---|
| **श्रवण यंत्र (Hearing Aid)**, **कॉक्लियर इम्प्लांट**, **FM प्रणाली** |
| **भारतीय सांकेतिक भाषा (ISL)** — **ISLRTC (2015)** द्वारा विकास; **अंगुली वर्तनी (Finger Spelling)** |
| **ओष्ठ-पठन (Lip Reading / Speech Reading)** — शिक्षक चेहरा बच्चे की ओर रखकर स्पष्ट बोले |
| **कुल संप्रेषण (Total Communication)** — संकेत + वाणी + ओष्ठ-पठन + लेखन सभी |
| **दृश्य सहायक सामग्री** — चित्र, चार्ट, वीडियो पर उपशीर्षक, श्यामपट्ट पर मुख्य बिंदु |
| बच्चे को **आगे व शिक्षक के सामने** बिठाएँ; मुँह ढककर या बोर्ड की ओर मुड़कर न बोलें |
| **वाक् चिकित्सा (Speech therapy)** और सहपाठी नोट्स |

## 8 शारीरिक / गामक अक्षमता एवं वाणी-भाषा विकार

| प्रकार | अर्थ | कक्षा में आवश्यकता |
|---|---|---|
| **चलन-क्रिया / अस्थि-बाधिता (Locomotor)** | हड्डियों, जोड़ों, मांसपेशियों की समस्या से चलने-फिरने में कठिनाई (पोलियो, अंग-विच्छेद) | रैम्प, सुलभ शौचालय, भूतल पर कक्षा, बैसाखी, व्हीलचेयर |
| **प्रमस्तिष्क पक्षाघात (Cerebral Palsy)** | जन्म से पहले / दौरान / बाद मस्तिष्क क्षति से **गति, मुद्रा और मांसपेशी समन्वय** में कठिनाई; अप्रगतिशील | विशेष बैठक, मोटी पेंसिल, कंप्यूटर, फिज़ियोथेरेपी, अतिरिक्त समय |
| **मांसपेशीय दुर्विकास (Muscular Dystrophy)** | आनुवंशिक, **प्रगतिशील** मांसपेशी कमज़ोरी | ऊर्जा बचाने वाली व्यवस्था, सहायक उपकरण |
| **बौनापन (Dwarfism)** | वयस्क की लम्बाई 4 फुट 10 इंच (147 सेमी) या कम | ऊँचाई के अनुसार फ़र्नीचर |
| **बहु-विकलांगता** | एक से अधिक विकलांगताएँ (जैसे बधिर-अंधता) | बहु-विषयक सहायता |

### ◆ वाणी एवं भाषा विकार

| विकार | अर्थ | उदाहरण |
|---|---|---|
| **हकलाना (Stammering / Stuttering)** | बोलने के प्रवाह में रुकावट; ध्वनि / शब्दांश दोहराना | "म-म-म-मुझे" |
| **तुतलाना (Lisping)** | कुछ ध्वनियों का गलत उच्चारण (विशेषकर स, श) | "साबुन" को "थाबुन" |

| विकार | अर्थ | उदाहरण |
|---|---|---|
| **उच्चारण दोष (Articulation Disorder)** | ध्वनियों को छोड़ना, बदलना, विकृत करना | "राम" को "लाम" |
| **स्वर दोष (Voice Disorder)** | आवाज़ की ऊँचाई, तीव्रता, गुणवत्ता में असामान्यता | बहुत भारी / कर्कश आवाज़ |
| **वाचाघात (Aphasia)** | मस्तिष्क क्षति से भाषा समझने / बोलने की क्षमता की हानि | — |

**शिक्षक के लिए:** हकलाने या तुतलाने वाले बच्चे को **बीच में न टोकें, न उसका मज़ाक उड़ने दें**, उसे **बोलने का पूरा समय** दें; गंभीर स्थिति में **वाक् चिकित्सक (Speech Therapist)** के पास भेजें।

## 9 पहचान की प्रक्रिया एवं IEP

विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की **जितनी जल्दी पहचान**, उतना **प्रभावी हस्तक्षेप**। कक्षा शिक्षक **पहली पंक्ति का पहचानकर्ता** है, क्योंकि वह बच्चे को प्रतिदिन देखता है।

**निरीक्षण व स्क्रीनिंग** → **अभिभावक से चर्चा** → **विशेषज्ञ के पास संदर्भन**

**बहु-विषयक आकलन** → **IEP बनाना** → **कार्यान्वयन** → **पुनर्मूल्यांकन**

| चरण | कार्य | कौन |
|---|---|---|
| **1. प्रारंभिक पहचान / स्क्रीनिंग** | व्यवहार व प्रदर्शन में असामान्यताओं का निरीक्षण; जाँच-सूची | कक्षा शिक्षक, अभिभावक |
| **2. संदर्भन (Referral)** | विशेषज्ञ के पास भेजना | शिक्षक, विद्यालय |
| **3. बहु-विषयक आकलन** | चिकित्सीय, मनोवैज्ञानिक, शैक्षिक, श्रवण-दृष्टि जाँच | डॉक्टर, मनोवैज्ञानिक, विशेष शिक्षक, चिकित्सक |
| **4. प्रमाणीकरण** | विकलांगता का प्रकार व प्रतिशत; UDID कार्ड | चिकित्सा बोर्ड |
| **5. व्यक्तिगत शिक्षा योजना (IEP)** | बच्चे के लिए विशिष्ट लक्ष्य, सेवाएँ, अनुकूलन | शिक्षक + विशेष शिक्षक + अभिभावक |
| **6. स्थापन व कार्यान्वयन** | समावेशी कक्षा + संसाधन कक्ष सहायता | शिक्षक, विशेष शिक्षक |
| **7. सतत निगरानी व पुनर्मूल्यांकन** | प्रगति की जाँच व योजना में सुधार | सभी |

### ◆ पहचान के उपकरण एवं विधियाँ

| उपकरण | उपयोग |
|---|---|
| **निरीक्षण एवं जाँच-सूची** | कक्षा में व्यवहार के लक्षण पहचानना — सबसे पहला और सरल उपकरण |
| **उपलब्धि एवं निदानात्मक परीक्षण** | विषयगत कठिनाई का क्षेत्र |
| **बुद्धि परीक्षण** | क्षमता और उपलब्धि में अंतर (अधिगम अक्षमता), बौद्धिक अक्षमता |
| **स्नेलन चार्ट / ऑडियोमीटर** | दृष्टि और श्रवण की जाँच |
| **पोर्टफोलियो एवं कार्य-नमूने** | लिखावट, वर्तनी, गणना की त्रुटियों का पैटर्न |
| **अभिभावक साक्षात्कार व केस हिस्ट्री** | विकास के पड़ाव, पारिवारिक इतिहास |
| **संचयी अभिलेख** | वर्षों की प्रगति |

### ◆ व्यक्तिगत शिक्षा योजना (IEP — Individualized Education Plan)

- IEP **हर विशेष आवश्यकता वाले बच्चे के लिए अलग** बनाई गई लिखित योजना है।
- इसमें **वर्तमान स्तर, वार्षिक लक्ष्य, अल्पकालिक उद्देश्य, आवश्यक सेवाएँ, अनुकूलन और मूल्यांकन विधि** होती है।
- IEP **शिक्षक, विशेष शिक्षक, अभिभावक और (संभव हो तो) बच्चा** मिलकर बनाते हैं।
- इसकी **नियमित समीक्षा** की जाती है।

## 10 शिक्षक की भूमिका एवं सहायक उपकरण

| शिक्षक की भूमिका |
|---|
| **शीघ्र पहचान** और अभिभावकों को सूचित करना — लेबल लगाए बिना। |
| **सकारात्मक दृष्टिकोण** — बच्चे की **क्षमताओं पर ध्यान**, कमी पर नहीं; "अक्षम" के स्थान पर **"दिव्यांग" / "विशेष आवश्यकता वाले"** शब्द। |
| **विभेदित शिक्षण** और **सार्वभौमिक अधिगम डिज़ाइन (UDL)** — बहु-प्रस्तुति, बहु-अभिव्यक्ति, बहु-संलग्नता। |
| **समायोजन (Accommodation)** — अतिरिक्त समय, लेखक, बड़े अक्षर, मौखिक परीक्षा। |
| **संशोधन (Modification)** — पाठ्यक्रम या अपेक्षा को बच्चे के स्तर के अनुसार बदलना। |
| **सहपाठी सहायता (Buddy system)** और **सहयोगी अधिगम**। |
| **सुलभ और सुरक्षित वातावरण** — रैम्प, प्रकाश, बैठने की उचित व्यवस्था। |
| सहपाठियों में **संवेदनशीलता और स्वीकृति** का विकास; **बदमाशी (Bullying) पर रोक**। |
| **विशेष शिक्षक, चिकित्सक और अभिभावकों** के साथ टीम के रूप में कार्य। |

### ◆ सहायक उपकरण — एक नज़र में

| आवश्यकता | सहायक उपकरण / तकनीक |
|---|---|
| **दृष्टि बाधिता** | ब्रेल, ब्रेलर, टेलर फ्रेम, गिनतारा, आवर्धक, स्क्रीन रीडर, ऑडियो पुस्तक, सफ़ेद छड़ी |
| **श्रवण बाधिता** | श्रवण यंत्र, कॉक्लियर इम्प्लांट, FM प्रणाली, सांकेतिक भाषा, उपशीर्षक |
| **चलन अक्षमता** | व्हीलचेयर, बैसाखी, कृत्रिम अंग, कैलिपर, रैम्प, अनुकूलित फ़र्नीचर |
| **अधिगम अक्षमता** | ऑडियो पुस्तक, टेक्स्ट-टू-स्पीच, स्पेल चेकर, ग्राफ़िक ऑर्गनाइज़र, मूर्त गणितीय सामग्री |
| **वाणी / संप्रेषण (ऑटिज़्म, CP)** | **AAC** (वैकल्पिक एवं संवर्धित संप्रेषण) — चित्र कार्ड, PECS, संप्रेषण बोर्ड, वाक्-उत्पादक उपकरण |

**विस्तार:** समावेशी शिक्षा की अवधारणा, विशेष बनाम एकीकृत बनाम समावेशी शिक्षा की तुलना — **अध्याय 11** में।

## 11 परीक्षा उपयोगी तथ्य एवं अभ्यास प्रश्न

### ◆ (क) एक पंक्ति में महत्वपूर्ण तथ्य

| प्रश्न | उत्तर |
|---|---|
| पढ़ने में कठिनाई | **डिस्लेक्सिया** |
| लिखने में कठिनाई | **डिस्ग्राफ़िया** |
| गणना में कठिनाई | **डिस्कैल्कुलिया** |
| गामक समन्वय में कठिनाई | **डिस्प्रैक्सिया** |
| भाषा / वाणी की कठिनाई (मस्तिष्क क्षति से) | **वाचाघात (Aphasia / Dysphasia)** |
| "अधिगम अक्षमता" शब्द | **सैमुअल किर्क (1963)** |
| अधिगम अक्षमता वाले बच्चे की बुद्धि | **सामान्य या अधिक** |
| ब्रेल लिपि | **लुई ब्रेल (1824)**, 6 बिंदु |
| विश्व ब्रेल दिवस | **4 जनवरी** |
| विश्व ऑटिज़्म जागरूकता दिवस | **2 अप्रैल** |
| अंतरराष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस | **3 दिसंबर** |
| दृष्टि जाँच | **स्नेलन चार्ट** |
| श्रवण जाँच | **ऑडियोमीटर** (dB में) |
| RPwD अधिनियम | **2016; 21 विकलांगताएँ** |

| प्रश्न | उत्तर |
|---|---|
| PWD अधिनियम | **1995; 7 विकलांगताएँ** |
| बेंचमार्क विकलांगता | **40% या अधिक** |
| समावेशी शिक्षा का अंतरराष्ट्रीय आधार | **सलामांका घोषणा (1994)** |
| RCI अधिनियम | **1992** |
| डाउन सिंड्रोम | **21वें गुणसूत्र की तीन प्रतियाँ** |
| शब्दों को दोहराना (ऑटिज़्म) | **इकोलालिया** |
| हर CWSN के लिए अलग लिखित योजना | **IEP** |

### ◆ (ख) भ्रम से बचें

- **अधिगम अक्षमता ≠ बौद्धिक अक्षमता** — अधिगम अक्षमता में बुद्धि सामान्य होती है।
- **मंद अधिगमकर्ता** बौद्धिक रूप से अक्षम नहीं होते; वे केवल धीमे सीखते हैं।
- **क्षति** = अंग स्तर; **अक्षमता** = कार्य स्तर; **विकलांगता / बाधिता** = सामाजिक स्तर।
- **डिस्लेक्सिया** पढ़ने से, **डिस्ग्राफ़िया** लिखने से — नाम उल्टा न करें।
- **प्रमस्तिष्क पक्षाघात** अप्रगतिशील है; **मांसपेशीय दुर्विकास** प्रगतिशील।

### ◆ (ग) अभ्यास प्रश्न (MCQ)

**प्रश्न 1.** एक बच्चा बार-बार b और d, p और q में उलझता है — उसे संभवतः है —

> (A) डिस्ग्राफ़िया (B) डिस्लेक्सिया (C) डिस्कैल्कुलिया (D) डिस्प्रैक्सिया

**प्रश्न 2.** अधिगम अक्षमता वाले बच्चे की बुद्धि प्रायः होती है —

> (A) 50 से कम (B) सामान्य या सामान्य से अधिक (C) हमेशा 70 से कम (D) मापी नहीं जा सकती

**प्रश्न 3.** दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 में कितनी विकलांगताएँ शामिल हैं?

> (A) 7 (B) 14 (C) 19 (D) 21

**प्रश्न 4.** बेंचमार्क विकलांगता का अर्थ है —

> (A) 20% या अधिक (B) 30% या अधिक (C) 40% या अधिक (D) 50% या अधिक

**प्रश्न 5.** ब्रेल लिपि किस पर आधारित है?

> (A) 4 बिंदु (B) 6 उभरे बिंदु (C) 8 बिंदु (D) रेखाएँ

**प्रश्न 6.** ADHD के तीन मुख्य लक्षण हैं —

(A) ध्यान की कमी, अति-सक्रियता, आवेगशीलता (B) पढ़ना, लिखना, गणना (C) भय, चिंता, उदासी (D) हकलाना, तुतलाना, स्वर दोष

**प्रश्न 7.** "इकोलालिया" (शब्दों को दोहराना) किससे संबंधित है?

(A) डिस्लेक्सिया (B) ऑटिज़्म (C) प्रमस्तिष्क पक्षाघात (D) दृष्टि बाधिता

**प्रश्न 8.** श्रवण बाधित बच्चे के लिए शिक्षक को चाहिए –

(A) बोर्ड की ओर मुड़कर बोलना (B) बच्चे को पीछे बिठाना (C) चेहरा बच्चे की ओर रखकर स्पष्ट बोलना (D) केवल मौखिक निर्देश देना

**प्रश्न 9.** क्षति के कारण सामाजिक भूमिका में आने वाली बाधा कहलाती है –

(A) क्षति (B) अक्षमता (C) विकलांगता / बाधिता (D) रोग

**प्रश्न 10.** डिस्कैल्कुलिया वाले बच्चे के लिए सबसे उपयुक्त है –

(A) केवल रटवाना (B) मूर्त सामग्री व संख्या रेखा (C) अधिक गृहकार्य (D) दंड

**प्रश्न 11.** समावेशी शिक्षा से संबंधित सलामांका घोषणा किस वर्ष हुई?

(A) 1986 (B) 1992 (C) 1994 (D) 2006

**प्रश्न 12.** विशेष आवश्यकता वाले बच्चे की पहचान में सबसे पहली और महत्वपूर्ण भूमिका किसकी है?

(A) डॉक्टर (B) कक्षा शिक्षक (C) प्रधानाचार्य (D) सरकार

**उत्तर कुंजी:** 1-B, 2-B, 3-D, 4-C, 5-B, 6-A, 7-B, 8-C, 9-C, 10-B, 11-C, 12-B

kredoz

**UP Super TET की पूरी तैयारी – Kredoz IAS के साथ**

सभी चैप्टर के नोट्स: kredoz.in/up-super-tet-notes/

टेस्ट सीरीज़: courses.kredoz.in

9582225699